भाग-A

उ. पु. क्रमांक: 1515689

अनुक्रमांक (अंकों में): 1191204989

अनुक्रमांक (शब्दों में): ONE ONE NINE ONE TWO ZERO FOUR NINE EIGHT NINE

परीक्षा की तिथि	परीक्षा केन्द्र क्रमांक	विषय कोड	विषय का नाम	प्रश्न पत्र सेट
01-03-2019	12039	001	HINDI (SPECIAL)	C

परीक्षार्थी का नाम: TEJASWI

निर्देश:
1. परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका पर अंकित रोल नंबर, नाम, विषय का कोड, विषय का नाम, परीक्षा दिनांक चैक करके हस्ताक्षर करें तथा छात्र अपना प्रश्न पत्र का सेट अंकित करें।
2. पर्यवेक्षक उत्तर पुस्तिका पर अंकित परीक्षार्थी का नाम एवं रोल नंबर, विषय का कोड, विषय का नाम, परीक्षा की दिनांक चैक करके संबंधित छात्र को संबंधित उत्तर पुस्तिका प्रदान करें तथा भाग A एवं B पर आवश्यक रूप से प्रश्न पत्र सेट को अंकित कराने के पश्चात निर्धारित स्थान पर हस्ताक्षर करें।

तेजस्वी
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर

Sunil Kumar Sahu
पर्यवेक्षक का नाम

01.03.19
पर्यवेक्षक का हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष
शास. उच्च. मा. विद्यालय मुरता
वि.ख. नवागढ़ जि. बेमेतरा (छ.ग.)

फ्लेप को यहां पर चिपकायें

भाग-B

(निर्देश पृष्ठ के पीछे की ओर देखें)

परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का सेट अंकित करें।

विषय कोड: 001 प्रश्न पत्र सेट A, B, C, लिखें: C

विषय: HINDI (SPECIAL)

परीक्षा का नाम: HIGH SCHOOL MAIN EXAM-2019

माध्यम: HINDI

परीक्षा केन्द्र क्रमांक: 12039

परीक्षक द्वारा भरने हेतु

प्रश्न संख्या	प्राप्तांक	प्रश्न संख्या	प्राप्तांक	प्रश्न संख्या	प्राप्तांक
1	14	11	4	21	
2	2	12	4	22	
3	2	13	4	23	
4	2	14	4	24	
5	2	15	4	25	
6	2	16	8	26	
7	3	17	5	27	
8	3	18	5	28	
9	3	19		29	
10	3	20		30	

प्राप्तांक: 0 7 4 पूर्णांक: 75

(प्राप्तांक शब्दों में: चौहत्तर)

मूल्यांकन केन्द्र कोड: 3 5 0 2

75020 2 11 - 45277717

हस्ताक्षर उपमुख्य परीक्षक एवं क्रमांक

30/02/19
हस्ताक्षर परीक्षक एवं क्रमांक

हस्ताक्षर मुख्य परीक्षक एवं क्रमांक

www.studydiscuss.in

2019 ①

4	=	4
पृष्ठ 1 के अंक		कुल अंक

उत्तर क्र० - 01

खण्ड (अ)

(1) कपिल

(2) हूँ

(3) प्रजा या जनता

(4) पानी

(5) प्रसाद गुण

खण्ड (ब)

(1) टैक्स

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

CGBSE

(3) कुछ समझ मे नहीं आना 1

(5) नदी 1

(4) बॉझ का पेड़ 1

(5) अकेलापन 1

खण्ड (स)

(1) अरुण - पुरस्कार 1

(2) शक्ति की अराधना - जँवारा 1

(3) गोधूलि - एच. एच. मुनरो 1

(4) युग की गंगा - केदारनाथ अग्र 1

(5) ये जिनगी फेर चमक जाए - भगवती लाल सेन 1

WWW.STUDYDISCUSS.IN

14	+	4	=	18
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 3 के अंक		कुल अंक

उत्तर क्र० - 02

उत्तर :- माटीवाली का एक रोटी को छिपा देना उसकी गरीबी, मजबूरी, विवशता को प्रकट करता है।

उत्तर क्र० - 03

उत्तर :-

समासिक पद	समास विग्रह	समास का नाम
(1) नीलाम्बर	नीला अम्बर	कर्मधारय समास
(2) त्रिभुवन	तीन भवनों का समूह	द्विगु समास

उत्तर क्र० - 04

→ P.T.O

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

18 + 4 = 22

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 4 के अंक | कुल अंक

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

उत्तर :- द्विवेदी युग के दो प्रमुख साहित्यकार व उनकी रचना :-

नाम	रचना
(1) महावीर प्रसाद द्विवेदी	सुमन
(2) गिरिजाकुमार माथुर	मन का महल

उत्तर क्रमांक - 05

उत्तर :- 'तुरतुरिया' नामक स्थान में वाल्मिकी का आश्रम माना जाता है। यही लव-कुश की शिक्षा-दीक्षा एवं लालन-पालन हुआ। आदि शंकराचार्य के गुरु गोविन्द ~~इसी धरती~~ यही के संत हैं. इस कारण 'तुरतुरिया' नामक स्थान प्रसिद्ध है।

CGBSE

उत्तर क्र० - 6

उत्तर :- प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण यह भूमि प्रेम से भी परिपूर्ण है। निरन्तर जल का प्रवाह इस भूमि को अधिक उपजाऊ बनाया है।

उत्तर क्रमांक - 07

उत्तर :- रीतिकाल की तीन विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :-

① शृंगार रस प्रधान रचनाएँ।

② लक्षण ग्रंथों की प्रधानता।

③ अंधविश्वास, बाह्य आडम्बरों का विरोध।

WWW.STUDYDISCUSS.IN

P.T.O

उत्तर क्रं० 06

उत्तर :- " जिसकी नौकरी छूट चुकी हो, उसके लिए नौ रुपये नौ सो से कम नही होते।" लेखक ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि धनाभाव में एक-एक पैसे कि कीमत पता चलता है। लेखक की जेब कट ~~चुक~~ चुकी थी तथा वे अपनी माँ को रुपया भेजता।

उत्तर क्रं० ~~10~~ 9

उत्तर :- वीर नारायण सिंह बचपन से ही मृदुल भाषी धर्मपरायण एवं मिलन सार थे, वे अपने गुरुओं से नीति संबंधी शिक्षा लेते थे। शास्त्र विद्या में तो वे बचपन से ही पारंगत थे। उन्होंने अपनी जमींदारी में कई तालाब ~~खुदवाये~~ खुदवाए। उनकी परोपकार के तीन उदाहरण राजासागर, ~~रानीसागर~~

P.T.O

रानीसागर और नंद सागर उन्होंने स्वयं नंद सागर के आसपास वृक्ष लगाकर उसे नन्द वन का स्वरूप प्रदान किया। वे जन सम्पर्क में विश्वास रखते थे।

उत्तर क्र० – 10

उत्तर :- लेखिका ने ईश्वर की तुलना ~~बूढ़े~~ बूढ़े आदमी से इसलिए किया क्योंकि बूढ़ा आदमी अपनी जीवन की सारी कमाई गई सम्पत्ती को ~~स~~ बचाकर रखता है, खुद स्वयं अभाव ग्रस्त जीवन व्यतित करता है किन्तु दूसरे के लिए सुख का साधन ~~ब~~ बचाकर रख देता है उसी प्रकार ईश्वर किसी के प्रति भेद-भाव नहीं करता है, वे सभी को समान रूपों में देखते हैं उसने कभी अमीरी - गरीबी में फर्क नहीं किया।

3

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

CGBSE

उत्तर क्रमांक - 11

उत्तर :- नर्मदा सूख जाएगी तो हम लोग कैसे बच सकेंगे? वनवासी स्त्री द्वारा यह बात इसलिए कही गई है क्योंकि नर्मदा नदी उनके जीवन का एक मात्र सहारा है जिससे वह खेती, विभिन्न उपयोग के लिए नर्मदा नदी के जल का प्रयोग करती है।

नर्मदा नदी के तट पर स्थित वनों से वह अपने जीवन-यापन के लिए आम तथा जामुन के पके हुए फल बेचा करती है। यही के वन संपदा से वे लकड़ी, फूल, फल, पत्ते आदि प्राप्त करते हैं। वे सब गरीब हैं और नर्मदा नदी इन लोगों की देख रेख करती है

यदि नर्मदा नदी सूख जाए तो निश्चित रूप से इनके जीवन पर प्रभाव पड़ेगा।

WWW.STUDYDISC.IN

उत्तर क्रमांक - 12

उत्तर :- फैक्टरी मे काम करते घायल / दुर्घटनाग्रस्त मजदूरो के प्रति मालिको की निम्नलिखित जिम्मेदारी होनी चाहिए

(1) घायल हुए मजदूर या कर्मचारी का इलाज करना चाहिए

(2) कर्मचारी के या मजदूरो के परिवार वालो को उसका मुआवजा देना चाहिए।

(3) उनकी सुविधा अनुसार उन्हे काम देना चाहिए यदि नही देते तो उनके घर वाले के किसी सदस्य को काम देना चाहिए

(4) घायल / दुर्घटनाग्रस्त मजदूरो के प्रति स्वयं की जिम्मेदारी होनी चाहिए न कि मजदूर की।

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

CGBSE

उत्तर क्र० - 13

उत्तर:- जिस प्रकार झरना निरन्तर निरन्तर आगे बढ़ते रहता है, वह अपने समक्ष आने वाली सारी बाधाओं को पार करते हुए जैसे कभी पर्वतों से, घाटियों से, समतल मैदानों से, कहीं पत्थरों को काटते हुए आगे बढ़ते है।

उसी प्रकार मनुष्य को अपने जीवन सदैव कर्मपथ पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। दूसरे के प्रति कोई भेद-भाव नहीं रखना चाहिए। सुख दुःख के प्रति समान भाव रखते हुए जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। जहाँ वह अपने कर्म पथ से भटका उसी क्षण उसका जीवन तबाह हो जाता है।

अतः झरना हमें सदैव जीवन पथ पर आगे बढ़ने का संदेश देता है।

46	+	4	=	54
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 11 के अंक		कुल अंक

उत्तर क्रमांक - 14

उत्तर :- सन्दर्भ :- प्रस्तुत पद्यांश भारती के पाठ्य पुस्तक 'मध्युगीन काव्य' से लिया गया है इस खण्ड के रचयिता दादू दयाल जी है।

प्रसंग :- प्रस्तुत पद में दादू जी ने आपने आराध्य को प्राप्त करना का सरल मार्ग बताया है।

व्याख्या :- दादू ~~दयाल दा~~ दयाल जी कहते है कि ~~मै~~ ~~मेरे~~ मेरे प्रभु के दुख में मेरा ~~आपने~~ प्राण शरीर से निकल जाए, आपके दर्शन किये हुए बहुत दिन बीत गए, सुंदर शरीर मेरा, हर पल मैं आपके आने की प्रतीक्षा करता है, रात भी ~~रा~~ बीत गया सुब हो गई, समय गया आज भी नही आये, कहा हो मेरे चित्त को चुराने वाले, मै आपके दर्शन के लिए व्याकुल हूँ, आपके मार्ग को देखता रहता हु, दादू जी ऐसे व्याकुल ~~ए~~ हुए जिस प्रकार चकवा - चकवी होते है।

4

CGBSE

योग पूर्व पृष्ठ 52 + पृष्ठ 12 के अंक 4 = कुल अंक 56

उत्तर क्र० 15

उत्तर :- जब सिकुमार की के पिताजी की मृत्यु लकवा नामक बिमारी से हो जाती है। उस समय वह किसान था और उसके पास ज्यादा धन नहीं था, वहाँ की प्रथा थी कि किसी भी व्यक्ति की मृत्यु हो जाए तो उसके घर के लोग पूरे समाज को मरिया भात अर्थात मृत्यु भोज खिलाना होगा।

लेकिन सिकुमार की स्थिति ऐसी नहीं थी कि वह पूरे गाँव वाले लोगो को मृत्यु भोज खिला सके इसे रोकने के लिए उसने पंचायत से बिनती की कि मरिया भात प्रथा समाप्त कर दी जाए पर वहाँ पंचायत में उपस्थित लोगों ने इसका बिरोध किया की मृत्युभोज तो सिकुमार खिलाएगा।

CGBSE

WWW.STUDYDISCUSS.IN

CGBSE
www.studydiscuss.in

मृत्यु भोज खिलाने के लिए सिबुमार के पास धन नहीं था इसलिए उसने अपने खेती की जमीन को बेचकर गाँव वाले लोगो को मृत्यु भोज खिलाया, अब वह बेरोजगार हो गया था।

काम के लिए किसी ने कहो कि 500 रुपये दो और पुलिस बन जाओ, जिससे तुम्हारा मान सम्मान भी बढ़गा और सिबुमार ने उसे 500 रु. दिया और उसके झांसे मे आ गया और उसकी नौकरी भी छूट गई। घर को चलाने के लिए या जीविकोपार्जन के लिए उन्होंने मजदूरी को अपनाया।

इस प्रकार सिबुमार भारत्या प्रथा के लिए किसान से मजदूर बन गया।

P.T.O

उत्तर क्रमांक - 17

उत्तर है- (1) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'धर्म' है।

(2) धर्म में संसार के प्रति सद्भावना का भाव निहित होता है।

(4) सभी प्राणियों मे एक प्राण स्पंदन होता है। उनके रक्त का रंग भी एक ही है। सुख - दुख का भावबोध उनमे एक जैसा है।

(5) इंसानियत का धर्म व्यक्ति को मिलना सिखाता है, अलगाव नहीं। यह प्रेम सिखाता है, घृणा नहीं। यह सोच को उदार बनाता है, अनुदार नहीं।

(6) धर्म - अधर्म।
प्रेम - घृणा।
उदार - अनुदार।
उचित - अनुचित।

CGBSE

WWW.STUDYDISCUSS.IN

उत्तर क्रमांक - 28

प्रति,
स्वास्थ्य अधिकारी
दुर्ग (छ० ग०)

विषय - महामारी की रोकथाम हेतु आवेदन पत्र

माननीय महोदय,

निवेदन है कि हम नगरपालिका मेरा नाम अतुल कुमार है, मैं नगरपालिका भिलाई में रहता हूँ। हमारे क्षेत्र महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है, महामारी के कारण बहुत से लोगों की मृत्यु हो गई। अतः आपसे निवेदन है कि कृपे महामारी के रोकथाम के लिए कुछ उपाय करे सोचकर इसका रोकथाम करें।

दिनांक
02/10/18

भवदीय
अतुल, नगरपालिका भिलाई
जिला - दुर्ग (छ० ग०)

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

CGBSE

उत्तर क्रमांक - 16

स्वच्छता अभियान में छात्रों की भूमिका

रूपरेखा

→ प्रस्तावना
→ स्कूली शिक्षा
→ स्वच्छता के प्रति जागरूकता
→ छात्रों की भागेदारी
→ गंदगी के दुष्परिणाम
→ स्वच्छता के प्रति जनसहभागिता
→ ~~शिक्षको~~ सरकार के निर्देश
→ उपसंहार

WWW.STUDYDISCUSS.IN

CGBSE

* प्रस्तावना :- आज के इस समय मे हम अपने देश को स्वच्छ रखने का पूरा प्रयास करते है। आज के इस युग मे सभी देशो के लिए अपने देश को स्वच्छ करना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। जो विकसित देश है वो अपने देश को स्वच्छ बनाने के लिए कई इलेक्ट्रानिक मशीनो का निर्माण करती है उदाहरण के लिए किसी घर की सफाई करनी है तो वैक्यूम क्लीनर का प्रयोग किया जाता है आदि ऐसे उदाहरण जिससे हम अपने आस-पास को स्वच्छ रख सकते है। स्वच्छता के प्रति सबसे जागरूक है तो वो है छात्र वर्ग यही तो देश की शान है।

* स्कूली शिक्षा :- कई बच्चे विद्यालय नही जाते इसके कई कारण है एक तो उनकी गरीबी व दूसरा उनकी पढ़ने की इच्छा नही होना। स्कूल मे शिक्षक हमे अपने आस पास कैसे स्वच्छ रखा जाए इसका उपदेश देते है यदा-

कम्पोस्ट खाद के बारे में सब लोग जानते है उसे बनाने के तरीके को हमें शिक्षक लोग सिखाते है। कैसे नई-नई सुविधाओं के माध्यम से हम अपने आस पास को स्वच्छ रख सकते है ये बताते है।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता :-

देश को यदि स्वच्छ बनाना है तो इसे प्रति जागरुक होना बहुत जरुरी है. इसमे सबसे ज्यादा योगदान छात्रों का है जो अपने घर के लोगो को स्वच्छ रहने की सलाह देते है। समाज में कई लोग यह मानकर चलते है कि हमारे करने से क्या होगा यह सोच उनका गलत है क्योंकि यही भाव हर कोई सोचते रहे तो ना जाने देश का क्या होगा अतः इस भाव को त्यागे।

CGBSE
www.studydiscuss.in

★ छात्रो की भागीदारी :-

आज-कल स्वच्छता के प्रति छात्र बहुत सजक हुए है वे अपने आस-पास को स्वच्छ रखने के साथ लोगो को सलाह देते है उदाहरण के लिए छात्र अपने घर के आस-पास की सफाई करके वहां वृक्ष रोपण करते है, तालाबो के आस-पास मे वृक्ष रोपण करते है तथा विद्यालय के प्रांगण के सफाई करने के बाद वहा पौधे लगाते है तथा उनका देख-भाल भी करते है। छात्र अपने देश को स्वच्छ बनाने के लिए कई नवीन मशीनों का आविष्कार भी किया है।

★ गंदगी के दुष्परिणाम :-

गंदगी के कई दुष्परिणाम है बढ़ती हुई गंदगी के कारण मानव समूह मे एक ऐसा स्थान

CGBSE
WWW.STUDIDRESS.IN

CGBSE

जहाँ अभ लगभग भारत से भी बड़ा हिस्सा गंदगी का बना हुआ है। गंदगी के प्रभाव के उदाहरण इस प्रकार है (1) गंदगी के कारण नदियों का जल विषैला हो गया है जिसे पीने वाले जीव जन्तु मरने लगते है।

(2) गंदगी के कारण कई प्रकार की बिमारिया भी फैल रहा है जिसके कारण बहुत से लोग की मृत्यु हो रहा है।

(3) गंदगी के कारण जानलेवा बेक्टीरिया आदि जीव उत्पन्न हो रहे है।

स्वच्छता के प्रतिजन सहभागिता :-

अब स्वच्छता के प्रति मनुष्य जागरूक हो रहे है। अब समाज मे कई लोग देश के छात्रो के साथ देश को स्वच्छ बनाने मे अपना योगदान दे रहे है।

CGBSE

सरकार के निर्देश :—

स्वच्छता के प्रति सरकार कई निर्देश, योजनाए लागू करती है जिसके तहत कुछ योजनाए निम्नलिखित है

(1) देश को स्वच्छ बनाने के लिए सरकार ने शौचालय हर घर मे बनाये

(2) महिलाओ को निह शुल्क गैस प्रदान किया

(3) कुड़ा कचरा को एक स्थान मे रखने के लिए डस्टबिन

आदि ऐसे उदाहरण है जिसके द्वारा सरकार देश को स्वच्छ बना सकते है। * छात्रो को सरकार पुरस्कार भी देती है।

P.T.O

WWW.STUDYDISCUSS.IN

2019 (22)

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 22 के अंक		कुल अंक
66	+	8	=	74

उपसंहार :- उपरोक्त वर्णन से ~~स्पस्ट~~ स्पष्ट है कि देश को स्वच्छ बनाने में छात्रों का बहुत बड़ा योगदान है। छात्र अपने प्रयासों से समाज, देश को स्वच्छ बना रहे है। किसी ने कहा है कि

☆ स्वच्छता ही सेवा है ☆

C G B S E

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 40 के अंक		कुल अंक
74	+	-	=	74

74/75

patel
30.02.019

CGBSE

WWW.STUDYDISCUSS.IN